कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

दिनांक 2 फरवरी 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वर्ष 2017-18 की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डा. राजकुमार सिंह द्वारा की गई । इस बैठक में संस्थान के संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) महेश चन्द्र, संयुक्त निदेशक, शैक्षिणक डा. त्रिवेणी दत्त, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वद्यिलाय मोदीपुरम के निदेशक प्रसार डा. एस. के. सचान, केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान के प्रतिनिधि डा. एस.के. गुप्ता , संस्थान के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, बरेली जनपद के विकासीय विभाग के अधिकारीगण, कृषि ज्ञान केन्द्र के प्राध्यापक तथा बरेली जनपद के प्रगतिशील कृषक एवं कृषक महिलाॅए उपस्थित रहे । बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा औपचारिक परिचय के पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा. बृजपाल सिंह द्वारा गत वर्ष 2016-17 की कृषि विज्ञान केन्द्र की उपलब्धियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई । तत्पश्चात, कृषि विज्ञान केन्द्र की वर्ष 2018-19 की कार्य योजना प्रस्तुत की गयी। संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा सुझाव दिया गया कि संसाधन संरक्षण की तकनीक पूसा हाइड्रोजेल को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जाये तथा इसके परीक्षण एवं प्रदर्शन लगाये जाये। आपने यह भी सुझाव दिया गया कि

प्रशिक्षणों के आयोजन में महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी बढ़ायी जाये, युवा उद्यमी तथा बैंक अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की जाये, प्रत्येक प्रशिक्षण में स्वच्छता विषय पर किसानों को जागरूक करने हेतु व्याख्यान अवश्य दिये जाये। निदेशक प्रसार डा. एस.के. सचान द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यो की प्रशंसा की गई तथा सुझाव दिया गया कि कृषकों की आय दुगुनी करने वाले उद्यम जैसे पशुपालन, बागवानी व कृषि विविधकरण को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जाये। संस्थान के संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) डा. महेश चन्द्र द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यो की प्रशंशा की गई तथा कहा इस वर्ष कई नये कार्य किये गये। संस्थान के संयुक्त निदेशक, शैक्षिणक द्वारा संस्थान द्वारा नवीन तकनीक को कृषकों तक पहुचाने के लिये गाॅवों में प्रशिक्षण प्रदर्शन व सलाह आदि के साथ कृषकों का अभिनव भ्रमण कराये जाये। डा. अजय सेन चैधरी, प्रभारी, कृषि ज्ञान केन्द्र ने कृषि विज्ञान केन्द्र प्रदर्शन फार्म पर विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों के प्रस्तुतिकरण की प्रशंसा की व सुझाव दिया कि फलो-सब्जियों की नवीन प्रजातियों का अधिक से अधिक प्रसार प्रचार किया जाये। कृषकों के साथ विचार विमर्श में श्री असद अली , ग्राम उदयपुर गणेशखेड़ा, भुता ने गन्ने की टेªच विधि के बारे में अपने विचार रखे तथा इसे एक अच्छी तकनीक कहा। श्री सीताराम ग्राम शाहपुर डांडी ने उपयोगी कृषि यंत्रों पर कृषकों को छूट देने का सुझाव दिया। बैठक के पश्चात डा. एस.के. संचान व डा. अजय सेन चैधरी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रदर्शन फार्म का भ्रमण किया गया । इस बैठक में 60 सदस्यों ने भाग लिया जिसमें जिला स्तरीय अधिकारी, यूपीडास्प के कार्यक्रम समन्वयक, उप-मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, सहायक निदेशक मृदा जाॅच, मत्स्य विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।